

| नाम संख्या | श्लोक |
|----------------------------------|-------|
| वर्त्त्याः ४ गात्रानुलेपन्यादि | १३३ |
| सुगंधिचूर्णस्य २ चूर्णादि | १३४ |
| वासितद्रव्यस्य २ भावितादि | १३४ |
| अङ्गसंस्कारस्य १ संस्कारेति | १३४ |
| मालायाः ३ माल्यादि | १३५ |
| केशमाल्यस्य १ मूर्द्ध्नीति | १३५ |
| शिखालंबिमाल्यस्य १ प्रभ्रष्टकेति | १३५ |
| पुरेण्यस्तमालायाः १ पुरसिति | १३५ |
| माल्यभेदस्य १ प्रालंबेति | १३६ |
| वैकृष्टकस्य १ कण्ठादिति | १३६ |
| आपीडस्य २ आपीडादि | १३६ |
| रचनायाः २ रचनादि | १३७ |
| परिपूर्णत्वस्य २ आभोगादि | १३७ |
| उपवर्हस्य २ उपधानादि | १३७ |
| शय्यामात्रस्य ३ शय्यादि | १३७ |
| खट्वायाः ४ मंचादि | १३८ |
| गेन्दुकस्य २ गेण्डुकादि | १३८ |
| प्रदीपस्य २ दीपादि | १३८ |
| आसनस्य २ पीठादि | १३८ |
| संपुटस्य २ समुद्रकादि | १३९ |

| नाम संख्या | श्लोक | मं० |
|------------------------------|-------|-----|
| पतङ्गहस्य २ प्रतिग्राहादि | १३९ | |
| केशमार्जन्याः २ प्रसाधन्यादि | १३९ | |
| पटवासकस्य २ पिष्ठानादि | १३९ | |
| दर्पणस्य ३ दर्पणादि | १४० | |
| व्यजनस्य २ व्यजनादि | १४० | |
| ॥ इति मनुष्यवर्गः ॥ | | |

| | |
|-------------------------------|---|
| वंशस्य ९ सन्तान्यादि | १ |
| वर्णसामान्यस्य १ वर्णेति | १ |
| राजवंशजस्य २ राजवीज्यादि | २ |
| कुलजस्य २ वीज्यादि | २ |
| कुलीनस्य ६ महाकुलादि | २ |
| आश्रमाणामेकैकं ४ ब्रह्मचारीति | ३ |
| ब्राह्मणस्य ६ द्विजात्यादि | ३ |
| षट्कर्मणः १ असाविति | ३ |
| पण्डितस्य २ विद्वानादि | ४ |
| वेदाध्येतुः २ श्रोत्रियादि | ६ |
| अध्यापकस्य २ उपाध्यायादि | ६ |
| गुरोः १ सेति | ६ |
| आचार्यस्य १ मंत्रेति | ७ |